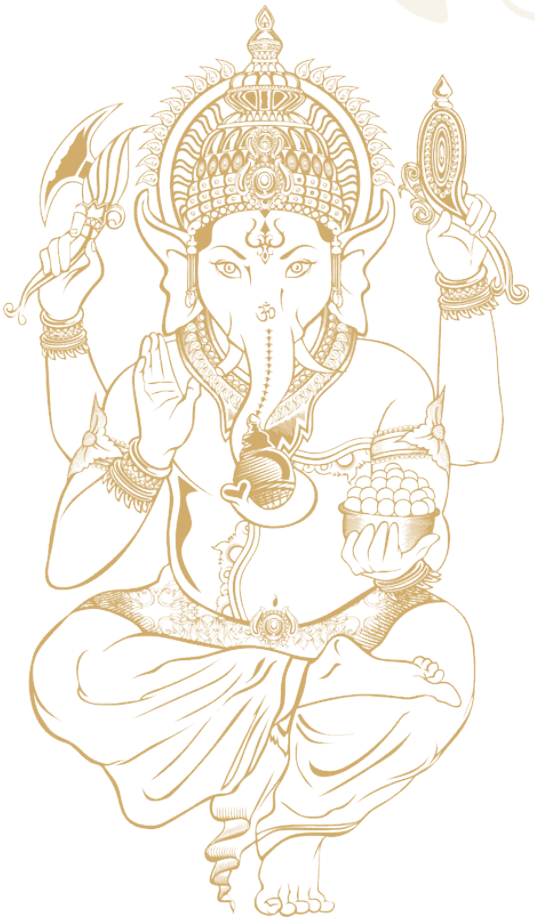

Komal

27 Feb 2026

07:37 PM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121459802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/02/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:37:00 घंटे**
इष्ट	31:50:00 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:10:20 घंटे
वेलान्तर	-00:12:44 घंटे
साम्पातिक काल	05:40:01 घंटे
सूर्योदय	06:53:00 घंटे
सूर्यास्त	18:26:11 घंटे
दिनमान	11:33:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	14:45:51 कुम्भ
लग्न के अंश	01:18:56 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	01:18:56	322:24:03	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	14:45:51	01:00:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	25:10:05	14:04:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	03:24:25	00:47:17	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	28:12:08	00:12:41	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:04:52	00:02:16	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	27:13:47	01:14:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	07:19:55	00:07:07	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:28	00:00:05	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:28	00:00:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:28:41	00:01:14	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:46:08	00:02:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:16:14	00:01:39	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	01:11:36	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

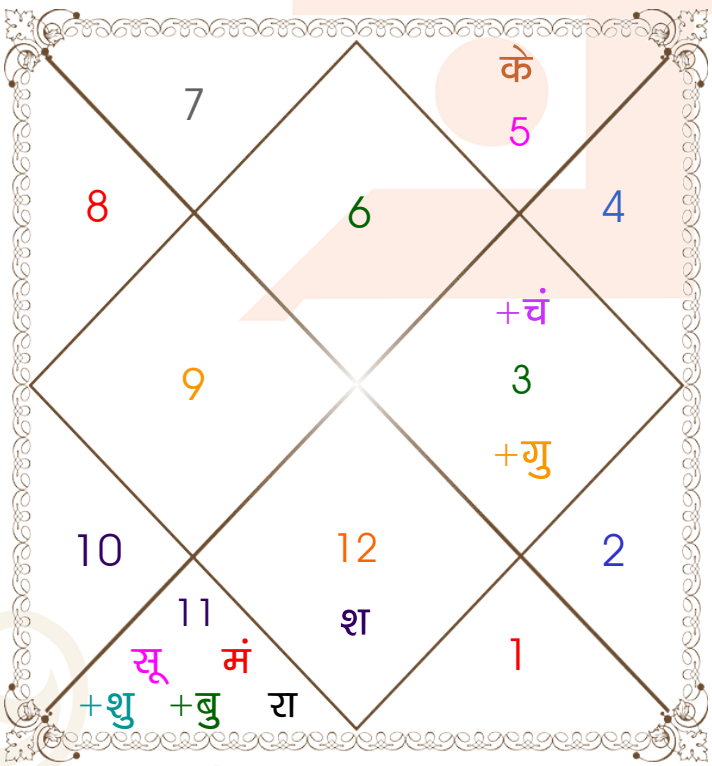

चन्द्र कुंडली

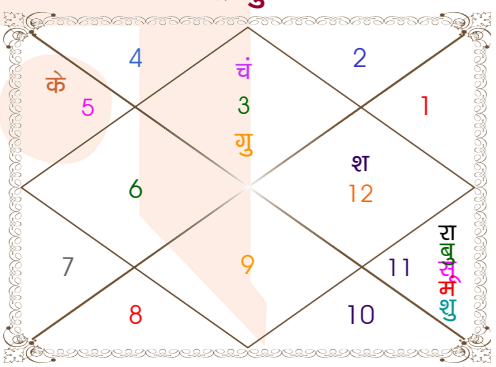

नवमांश कुंडली

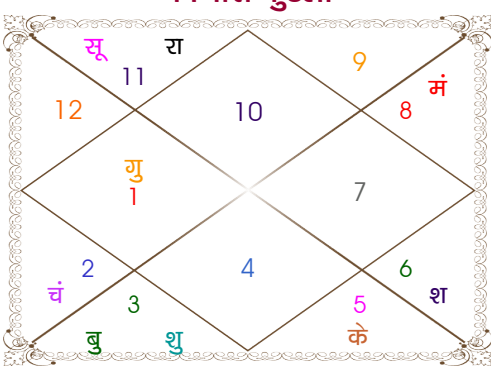

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 9 मास 17 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/02/2026		16/12/2035		16/12/2054		16/12/2071		16/12/2078	
16/12/2035		16/12/2054		16/12/2071		16/12/2078		16/12/2098	
	00/00/0000	शनि	19/12/2038	बुध	14/05/2057	केतु	13/05/2072	शुक्र	16/04/2082
	27/02/2026	बुध	28/08/2041	केतु	11/05/2058	शुक्र	13/07/2073	सूर्य	17/04/2083
बुध	22/11/2026	केतु	07/10/2042	शुक्र	11/03/2061	सूर्य	18/11/2073	चंद्र	15/12/2084
केतु	28/10/2027	शुक्र	07/12/2045	सूर्य	15/01/2062	चंद्र	19/06/2074	मंगल	15/02/2086
शुक्र	28/06/2030	सूर्य	19/11/2046	चंद्र	17/06/2063	मंगल	15/11/2074	राहु	14/02/2089
सूर्य	17/04/2031	चंद्र	19/06/2048	मंगल	13/06/2064	राहु	04/12/2075	गुरु	16/10/2091
चंद्र	16/08/2032	मंगल	29/07/2049	राहु	31/12/2066	गुरु	09/11/2076	शनि	16/12/2094
मंगल	23/07/2033	राहु	04/06/2052	गुरु	07/04/2069	शनि	19/12/2077	बुध	16/10/2097
राहु	16/12/2035	गुरु	16/12/2054	शनि	16/12/2071	बुध	16/12/2078	केतु	16/12/2098

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/12/2098		16/12/2104		17/12/2114		17/12/2121		17/12/2139	
16/12/2104		17/12/2114		17/12/2121		17/12/2139		00/00/0000	
सूर्य	04/04/2099	चंद्र	17/10/2105	मंगल	15/05/2115	राहु	29/08/2124	गुरु	03/02/2142
चंद्र	04/10/2099	मंगल	18/05/2106	राहु	02/06/2116	गुरु	22/01/2127	शनि	17/08/2144
मंगल	09/02/2100	राहु	17/11/2107	गुरु	08/05/2117	शनि	28/11/2129	बुध	28/02/2146
राहु	04/01/2101	गुरु	18/03/2109	शनि	17/06/2118	बुध	17/06/2132		00/00/0000
गुरु	23/10/2101	शनि	17/10/2110	बुध	14/06/2119	केतु	05/07/2133		00/00/0000
शनि	05/10/2102	बुध	17/03/2112	केतु	11/11/2119	शुक्र	05/07/2136		00/00/0000
बुध	11/08/2103	केतु	17/10/2112	शुक्र	10/01/2121	सूर्य	30/05/2137		00/00/0000
केतु	17/12/2103	शुक्र	17/06/2114	सूर्य	18/05/2121	चंद्र	29/11/2138		00/00/0000
शुक्र	16/12/2104	सूर्य	17/12/2114	चंद्र	17/12/2121	मंगल	17/12/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 9 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।